This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **4409**

Unique Paper Code : **205440** **C**

Name of the Paper : **Hindi—B-II**

Name of the Course : **B.A. (Prog.)**

Semester : **IV**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित अवतरणों की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए :

(क) रहता प्रयोजन से प्रचुर पूरित जहाँ धन-धान्य था,
जो 'स्वर्ण-भारत' नाम से संसार में सम्मान्य था;
दारिद्र्य दुर्धर अब वहाँ करता निरन्तर नृत्य है;
आजीविका-अवलम्ब बहुधा भृत्य का ही कृत्य है !! 8

अथवा

भारत! तुम्हारा आज यह कैसा भयंकर वेष है ?
है और सब नि:शेष केवल नाम ही अब शेष है !
ब्रह्मत्व, राजन्यत्व युत वैश्यत्व भी सब नष्ट है,
शूद्रत्व और पशुत्व ही अवशिष्ट है, हा! कष्ट है !!

P.T.O.

(ख) तुम्हें भी वैसे ही करना चाहिए था ..... मेरा मतलब, जैसा जमाना हो, उसी के मुताबिक चलना चाहिए । आख़िर और लोग भी तो आए थे । वह बात और है कि तुम अपनी ईमानदारी और बेदाग़ हुकूमत के लिए पूरे सूबे में मशहूर हो । यह मेरे लिए फख्र की बात है । मगर अब यह तुम्हारी शान के ख़िलाफ है कि एक मामूली बात पर ऐसी नौकरी से 'रिजाइन' कर दो । लोग क्या कहेंगे ! 7

अथवा

मैंने पूरे होशो-हवास में, जान-बूझकर हत्या की । वह बेकसूर था – जन्म से बेकसूर ..... अनजान ..... हेल्पलेस ..... उसे वही बनाया गया जो लोगों की इच्छा थी, जरूरत थी । (सहसा) यह गलत है ..... वह सरासर क़सूरवार था । उसका विश्वास था कि मनुष्य स्वतंत्र है, इस हद तक ..... वह आत्महत्या करे । वह आजाद है, अन्याय सहने के लिए, पाप भोगने के लिए, अपराध जानने के लिए, और तर्क पागल होने के लिए ।

(ग) बालिका खुश होकर तितली की भाँति घर में भाग गई और वृद्ध की आँखों से दो-तीन बूँद गर्म आँसू टपक पड़े । वे चिन्तित भाव से बैठकर सोचने लगे–एक बार फिर वैशाली चलकर पुरानी नौकरी की याचना की जाए । वृद्ध का बाहुबल थक चुका था किन्तु क्या किया जाए । कन्या का विचार सर्वोपरि था, परन्तु वृद्ध के चिन्तित होने का केवल यही कारण न था । लाख वृद्ध होने पर भी उसकी भुजा में बल था– बहुत था । पर उसकी चिन्ता थी बालिका का अप्रतिम सौन्दर्य । 8

अथवा

गुप्तचरों ने उन्हें वैशालीगण के सभी भीतरी भेद बता दिए थे । अंत में कूटनीति के आगार वर्षकार ने अपनी योजना स्थिर की । गुप्तचरों को बहुत-सी आवश्यक बातें समझाकर वैशाली भेज दिया और उन्होंने मागधों की राजपरिषद् बुलाई । सम्राट के लिए वैशाली का आक्रमण अब साम्राज्यवर्द्धन का प्रश्न नहीं रह गया था । वे चाहे भी जिस मूल्य पर वैशाली को आक्रान्त कर, अम्बपाली को राजगृह ले आकर पट्टराजमहिषी बनाने पर तुले थे ।

2. 'भारत-भारती' के वर्तमान खण्ड के प्रतिपाद्य का विवेचन कीजिए । 15

अथवा

मैथिलीशरण गुप्त की 'भारत-भारती' में किन ज्वलन्त प्रश्नों को उठाया गया है ? स्पष्ट कीजिए ।

3. 'मिस्टर अभिमन्यु' नाटक के उद्देश्य पर विचार कीजिए । 15

अथवा

'मिस्टर अभिमन्यु' के आधार पर राजन के चरित्र का विश्लेषण कीजिए ।

4. 'वैशाली की नगरवधू' उपन्यास के आधार पर अम्बपाली के चरित्र की प्रमुख विशेषताएँ बताइए । 15

अथवा

ऐतिहासिक उपन्यास की दृष्टि से 'वैशाली की नगरवधू' का मूल्यांकन कीजिए ।

P.T.O.

5. किसी **एक** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 7

(क) 'मिस्टर अभिमन्यु' की नाट्यभाषा

(ख) 'भारत-भारती' की काव्यभाषा

(ग) 'वैशाली की नगरवधू' की कथाभाषा ।